यदि आप याने और यांब्रे को मसीह के चर्च में नहीं पहचानते
हैं, तो जान लें कि आप खो गए हैं।

यदि आप पॉलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे गए दूसरे पत्र के तीसरे अध्याय की 1–9 पंक्तियों को पढ़ेंगे, तो आप देखेंगे कि पॉलुस ने कैसे तीमुथियुस को अंतिम समय की घटनाओं के बारे में बताया। उन्होंने यह शब्द कहकर शुरू किया:

“अंत समय में संकटपूर्ण समय होंगे।”

पूछिए अपने आप से, उन्होंने ऐसा क्यों कहा? उन्होंने इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने देखा कि ऐसे लोगों की बड़ी लहर आएगी, जो भले ही धर्म के प्रतीत होते हैं (जैसे कि वे ईश्वर के लोग हैं), लेकिन जब वे ईश्वर की शक्ति को अस्वीकार कर देंगे, तो वे बढ़ेंगे और कई लोगों को खो देंगे।

ये लोग कभी भी इतिहास में नहीं दिखाई दिए थे; वे केवल अंतिम समय में आएंगे। वे ऐसा प्रतीत होंगे कि वे ईश्वर के सेवक हैं, लोगों को सच्चाई की ओर ले जाते हैं, लेकिन उनके पीछे वे ईश्वर की शक्ति को अस्वीकार करते हैं।

तो ईश्वर की ये शक्तियाँ क्या हैं?
बाइबल हमें बताती है: “क्रूस का वचन ही ईश्वर की शक्ति है।”

यदि आप याने और यांब्रे को मसीह के चर्च में नहीं पहचानते
हैं, तो जान लें कि आप खो गए हैं।

1 कुरिन्थियों 1:18 – “क्योंकि उनके लिए जो नष्ट हो रहे हैं, क्रूस का वचन मूर्खता है; परन्तु हमारे लिए जो उद्धार पाए
हैं, वह ईश्वर की शक्ति है।”

इसी प्रकार, दूसरों ने इसे “ईश्वर की शक्ति” के रूप में संदर्भित किया है।

रोमियों 1:16 – “क्योंकि मैं सुसमाचार में ईश्वर की शक्ति
को अभिमानपूर्वक घोषित करता हूँ।”

सुसमाचार, जो क्रूस के माध्यम से उद्धार लाता है, लोगों को पाप से मुक्ति दिलाता है, उनके अपराधों का क्षमा करता है—यहीं ईश्वर की शक्ति है।

बाइबल कहीं नहीं कहती कि ईश्वर की शक्ति संपत्ति, व्यापार या महलों में है। ये किसी को शाश्वत जीवन नहीं दे सकते। ऐसे लोग ही चर्च में सबसे अधिक बढ़ेंगे, जो दिखावा करते हैं कि वे संदेश दे रहे हैं, लेकिन वे वास्तविक पाप से मुक्ति की सुसमाचार में विश्वास नहीं रखते।

यदि आप याने और यांब्रे को मसीह के चर्च में नहीं पहचानते
हैं, तो जान लें कि आप खो गए हैं।

कुछ लोग केवल धार्मिक परंपराओं का पालन कराना चाहते हैं—लोग लिट्रुजिया पढ़ें, रोसरी पढ़ें, मृतकों के लिए प्रार्थना करें। लेकिन अगर आप उनसे पूछें, “क्या आप उद्धार पाए हैं?” वे कहेंगे, “मैं नहीं।”

अब सोचिए, ऐसे लोग स्वर्ग में कैसे जाएंगे?

पॉलुस ने ऐसे लोगों की तुलना याने और यांब्रे से की, जिन्होंने मूसा के समय विद्रोह किया।

2 तीमुथियुस 3:8-9 – “जैसे याने और यांब्रे मूसा के विरुद्ध थे, वैसे ही ये भी सत्य के विरुद्ध हैं; ये बुद्धिहीन हैं और विश्वास के कारण अस्वीकार किए गए हैं, परन्तु उनकी मूर्खता सभी के सामने स्पष्ट होगी।”

याने और यांब्रे कौन थे? वे फ़िरौन के जादूगर थे। मूसा ने चमत्कार किए, और ये केवल विरोध करने के लिए जादू दिखाते थे। उन्हें भी कुछ चमत्कार करने की क्षमता दी गई थी, लेकिन उनका संदेश केवल विरोध का था, मुक्तिदाता का नहीं।

मूसा के संदेश का उद्देश्य लोगों को फ़िरौन की कठोर गुलामी से

यदि आप याने और यांब्रे को मसीह के चर्च में नहीं पहचानते
हैं, तो जान लें कि आप खो गए हैं।

मुक्ति दिलाना था। और आज, जो लोग मसीह में विश्वास करते हैं, वे इस मुक्ति का अनुभव कर चुके हैं।

यदि कोई आपको चमत्कार दिखाए, लेकिन उसका संदेश आपके पापों से मुक्ति का न हो, तो जान लें कि वे याने और यांब्रे हैं—शैतान के सेवक।

पॉलुस उन्हें ऐसे लोगों के रूप में वर्णित करता है, “जो धार्मिक प्रतीत होते हैं, लेकिन ईश्वर की शक्ति को अस्वीकार करते हैं।” ये ही वे संकटपूर्ण समय हैं जिनके बारे में कहा गया है।

आप स्वयं अपनी आत्मा की जांच करें। क्या आपका आध्यात्मिक जीवन बढ़ा है या वहीं का वहीं है? यदि नहीं, तो आप अंतिम समय के याने और यांब्रे के अधीन हैं।

और यदि आप नहीं जानते, ये लोग फ़िरौन का दिल कठोर करने में योगदान देते हैं। आज भी कुछ लोग पाप से मुक्ति नहीं चाहते क्योंकि याने और यांब्रे उन्हें भ्रमित करते हैं, चमत्कार दिखाते हैं और धर्म की सही शिक्षा नहीं देते।

यदि आप मृत्यु के बाद नरक में जाएँ, तो आपके पास कोई बहाना नहीं होगा। बाइबल कहती है: “जब कोई मरता है, उसके कर्म उसके पीछे चलेंगे।”

यदि आप याने और यांब्रे को मसीह के चर्च में नहीं पहचानते
हैं, तो जान लें कि आप खो गए हैं।

प्रकाशितवाक्य 14:13

इसलिए जागें और अपने जीवन को सुधारें।
एफ़िसियों 5:14 – “इसलिए वह कहता है: जागो, जो सो रहे हो, मृतकों में से उठो, और मसीह तुम्हारे लिए प्रकाश बनेगा।”

मरणा आथा!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp